YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

नोएडा > बुधवार, 23 सितंबर 2020 > आश्विन 1 शक संवत 1942 आश्विन शुक्ल सप्तमी विक्रम संवत 2077 www.navbharatgold.com पेज 18*> मूल्य 3.00 या 7.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

सिक खरीद पर फ्री लाग

यमुना अथॉरिटी एरिया में बनेगी फिल्म सिटी, बेहतरीन कनेक्टिविटी और लोकेशन से दावेदारी को मिली ताकत

यीडा के सेट पर बनेगा सुपरहिट सिनेमा

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

जेवर एयरपोर्ट के बाद यमुना अथॉरिटी एरिया (यीडा सिटी) को एक और बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फिल्म सिटी को हरी झंडी मिलते ही यीडा के सेट पर सुपरहिट सिनेमा बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस फिल्म सिटी को लेकर प्रदेश भर से आए प्रस्तावों पर यमुना अथॉरिटी का प्रस्ताव भारी पड़ा है। बेहतरीन कनेक्टिविटी और लोकेशन से यमुना अथॉरिटी की दावेदारी को ताकत मिली। इससे इस एरिया को एक नई पहचान मिलेगी। यहां फिल्म स्टूडियो, टूरिस्ट स्पॉट, एम्यूजमेंट पार्क और होटल आदि की भी सुविधा होगी। देश-विदेश के लोग यहां घूमने आ सकेंगे।

यीडा सिटी में फिल्म सिटी बसाने का सबसे बड़ा कारण इसकी कनेक्टिविटी और लोकेशन है। तीन साल बाद उड़ान भरने के लिए तैयार होने वाला एयरपोर्ट और कम दरों पर अधिक जमीन की उपलब्धता भी इसे हरी झंडी दिलाने में सहायक सिद्ध हुई। इसके कारण दूसरी अथॉरिटी और जिलों के प्रस्तावों पर यमुना अथॉरिटी का दावा भारी पड़ गया। सीएम का कहना है कि जब संस्कृति व रंगकर्म की बात होती है तो भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान आता है। फिल्म सिटी का जो प्रस्तावित स्थल है, मथुरा से एकदम सटा हुआ है। यह क्षेत्र भारत की पौराणिक, आध्यात्मिक, वैदिक और अन्य सभी परम्पराओं को हमारे साथ जोड़ने का कार्य करता है

यीडा सिटी का सेक्टर-21 यमुना एक्सप्रेसवे से सटा हुआ है। इसके पास से होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे भी गुजर रहा है। करीब 5 किमी की दूरी पर प्रस्तावित इंटरनैशनल एयरपोर्ट है। तीन साल बाद यहां से उड़ानें शुरू करने का लक्ष्य है। पास से पलवल के लिए भी एक्सप्रेसवे प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने यहां फिल्म सिटी बसाने के पीछे मथुरा, वृंदावन, आगरा और कानपुर जैसे ऐतिहासिक और पौराणिक शहरों का निकट होना भी बताया है। पांच घंटे में ग्रेनो से लखनऊ पहुंचा जा सकता है। यहां से शूटिंग के लिए राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, नेपाल, बिहार, दिल्ली और झारखंड आसानी से जाया जा सकता है। यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि सेक्टर 21 में एक हजार एकड़ में फिल्म सिटी बसाई जाएगी। इसको शासन से हरी झंडी मिल गई है। शासन से जैसे-जैसे निर्देश आते रहेंगे, उसका पालन तुरंत किया जाता रहेगा। यहां 780 एकड़ जमीन औद्योगिक और 220 एकड़ कमर्शल है। यहां अकैडमी इंस्टिट्यूट भी होगा।

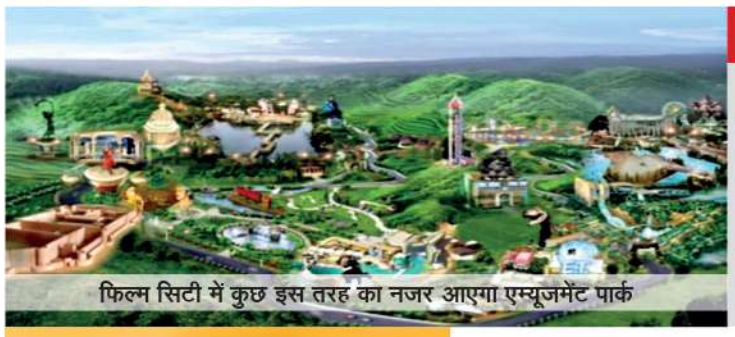

फिल्म सिटी में कुछ इस तरह का नजर आएगा एम्यूजमेंट पार्क

दिल्ली आना-जाना है आसान

यीडा सिटी से दिल्ली के लिए फास्ट कनेक्टिविटी के लिए मेट्रो जैसी सुविधा दी जानी है। इसका सर्वे चल रहा है। ऐलिवेटिड रोड की भी प्लानिंग है। यमुना एक्सप्रेसवे से नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे होते हुए दिल्ली की डायरेक्ट कनेक्टिविटी है। यीडा सिटी में ही है एफ-1 रेसिंग ट्रैक प्रस्तावित फिल्म सिटी से मात्र पांच किलोमीटर की दूरी पर देश का पहला एफ-1 रेसिंग ट्रैक मौजूद है। शूटिंग के लिए भी ये बेस्ट लोकेशन मानी जा रही है।

यमुना का किनारा और वेटलैंड

यमुना नदी भी यीडा सिटी से होकर गुजर रही है। पास में धनौरी वेटलैंड है। ऐसे में प्राकृति के बीच शूटिंग की बेहतर लोकेशन मिलेगी। दिल्ली में नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में कलाकार तैयार हो रहे हैं। यहां ट्रेनिंग लेने वाले कलाकार यीडा सिटी की फिल्म सिटी में एक्टिंग कर सकेंगे। ऐसे में कलाकारों की मांग भी पूरी होगी।

फेल हुए नोएडा-ग्रेनो के प्रस्ताव

ग्रेनो की प्रस्तावित जमीन भी यमुना एक्सप्रेसवे से ही सटी है, लेकिन उसका एरिया करीब 300 एकड़ है। इसमें वन विभाग की भी जमीन है। इसमें दिक्कत आ सकती थी। इसी तरह नोएडा में 500 एकड़ का प्रस्ताव दिया गया था। नोएडा में आबादी अधिक होने के कारण शूटिंग और पूरी फैसेलिटी में दिक्कत होने की बात कही गई।

'सरकार के प्रोत्साहन से बेहतर होंगी स्थितियां'

मालिनी अवस्थी कहती हैं कि सरकार के प्रोत्साहन से स्थितियां बेहतर हो जाएंगी। अगर यहां के लेखकों, गायकों, कलाकारों और तकनीकी काम करने वाले लोगों की वजह से फिल्म बनाने वालों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा तो निश्चित तौर पर वे सोचेंगे। फिल्म उद्योग के जानकार कहते हैं कि अगर स्थानीय स्तर पर किसी सिनेमा को बनाने के बेहतर विकल्प होते हैं तो उसका विस्तार मुमकिन है। रामोजी फिल्मसिटी के बाद तेलगु भाषाई फिल्म उद्योग (टॉलीवुड) को ही देखें, वहां एक-दो करोड़ से लेकर 200 करोड़ रुपये तक के बजट की फिल्में बन रही हैं। यह विस्तार उसी स्थानीय संसाधन के विकास का ही परिणाम है।

विधायकों और सांसदों ने जताया सीएम का आभार

■ **विस, ग्रेटर नोएडा :** यीडा सिटी में फिल्म सिटी बसाने का फैसला लेने के लिए विधायकों और सांसदों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा है कि एयरपोर्ट के बाद फिल्म सिटी के लिए रबूपुरा के निकट जेवर विधानसभा के उस पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक क्षेत्र को चुना है, जो भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा व इंद्रप्रस्थ और हस्तिनापुर के मध्य में पड़ती है। इससे क्षेत्र और विशेषकर उत्तर भारत की उन प्रतिभाओं को मुकाम पाने के लिए मार्ग मिलेगा, जो मुंबई नहीं जा पाते थे। जिले के लोग सीएम योगी के आभारी हैं। वहीं, दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा है कि जिस शकुंतला पुत्र भरत के नाम पर देश का नाम भारत पड़ा, उसी हस्तिनापुर के आस-पास का क्षेत्र है, जहां हमने फिल्मसिटी को प्रस्तावित किया है। इसके लिए वे आभारी हैं। राज्य सभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहा है कि हमारी संस्कृति से फिल्मों ने विश्व जगत को परिचित कराया है। फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने व स्थानीय प्रतिभाओं को विशेष अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीएम योगी आदित्यनाथ ने राज्य में फिल्म सिटी व इंफोटेनमेंट जोन की स्थापना का निर्णय लिया है। सांसद डॉ. महेश शर्मा और फिल्म अभिनेता रवि किशन आदि ने भी फिल्म सिटी बसाने का स्वागत किया है।

फिल्म सिटी में ऐसा होगा फूड कोर्ट

जिले में लिखी जाएगी हजारों लोगों के रोजगार की कहानी

Shyam.Vir @timesgroup.com

■ **ग्रेटर नोएडा :** बॉलिवुड की तर्ज पर यीडा सिटी की यॉलिवुड में जिले के लोगों के लिए नए तरह के रोजगार मिलेंगे। यहां हजारों लोगों के रोजगार की कहानी लिखी जाएगी। इसमें ही फिल्म यूनिवर्सिटी भी बननी है। इंडस्ट्री की मांग को देखते हुए जिले के अन्य कॉलेज व यूनिवर्सिटी भी एक्टिंग, एडिटिंग, डबिंग, प्रॉडक्शन, डांस और लाइटिंग आदि के नए कोर्स शुरू होंगे। अभी कॉलेजों में इस तरह के कोर्स नहीं हैं।

फिल्म सिटी में केवल फिल्मों की शूटिंग ही नहीं होगी। यहां वर्ल्ड क्लास टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी बनेगा। फिल्म सिटी के मास्टर प्लान में टूरिस्ट एंड एंटरटेनमेंट जोन का भी प्रावधान किया गया है। फिल्म टूरिजम भी यहां होगा। थीम पार्क भी बनाए जाएंगे। ऐसे में लोगों को टूरिजम से संबंधित रोजगार भी इसी जिले में मिल सकेंगे। अभी यहां इस तरह के रोजगार नहीं हैं। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि रोजगार की उम्मीद में यहां टूरिजम संबंधी कोर्स भी शुरू होंगे। यहां स्टूडियो, सेट, प्रॉडक्शन, पोस्ट प्रॉडक्शन आदि काम होंगे। सेट लगाने में हजारों लोगों को रोजगार मिल सकेंगे। पोस्ट प्रॉडक्शन को लेकर भी बड़ी संख्या में रोजगार जनरेट होंगे। एडिटिंग, रिकॉर्डिंग, विजुअल इफेक्ट और मिक्सिंग आदि में यहां रोजगार मिलेगा। **यहां बनने** वाली फिल्म यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को फिल्म एवं मीडिया प्रफेशनल्स के साथ काम करने का मौका मिलेगा। इसमें डायरेक्शन, सिनेमेटोग्राफी, स्क्रिप्ट राइटिंग, प्रॉडक्शन डिजाइन, कॉस्ट्यूम, एडिटिंग, साउंड डिजाइन और इवेंट मैनेजमेंट आदि कोर्स होंगे। इन फील्ड से संबंधित रोजगार अभी मुंबई में हैं। अब ऐसे रोजगार नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी एरिया में पैदा होंगे।

कुछ इस तरह का बनेगा गेट

म्यूजियम में दिखेगा फिल्मों का इतिहास

यहां विश्वस्तरीय बॉलिवुड म्यूजियम भी बनेगा। भारतीय सिनेमा और फिल्मों के निर्माण के बारे में इसमें विस्तार से जानकारी मिल सकेगी। इसे भारत में म्यूजियम का नया मॉडल बनाने की तैयारी है, जिससे हजारों की संख्या में रोजगार पैदा हों और देश-विदेश से बड़ी संख्या में टूरिस्ट आएं। क्लब हाउस और स्पोर्ट्स क्लब बनेंगे, जिनमें शूटिंग भी हो सकेगी। इनमें फिल्मों से जुड़े लोगों को सदस्यता दी जाएगी। फिल्म सिटी का शानदार गेट बनाया जाएगा। मल्टीलेवल पार्किंग होगी। हेलिपैड होगा। यूनिवर्सल स्टूडियो का निर्माण होगा। पानी के अंदर शूटिंग को लेकर भी यहां व्यवस्था होगी। अंडरवाटर फिल्मिंग स्टेज की सुविधा दी जाएगी। फिल्म इंडस्ट्री आने के बाद जेवर एरिया में कानून व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

होटल इंडस्ट्री में आएगा बूम

होटल इंडस्ट्री में बूम आएगा। यहां फाइव स्टार, थ्री स्टार और बजट होटल बनेंगे। अभी ग्रेटर नोएडा के होटल यहां के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होने वाले इंटरनैशनल इवेंट पर निर्भर हैं। फिल्मों के साथ ही यहां टीवी स्टूडियो भी होंगे। इनमें भी बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेंगे।

'पहचान के साथ काम का मौका'

प्रदेश सरकार ने जिले में फिल्म सिटी पार्ट-2 का प्रस्ताव रखकर दिल खुश कर दिया है। 1000 एकड़ का एरिया काफी बड़ा होता है। पूरी उम्मीद है फिल्म उद्योग से जुड़े लोग जिले में अपना उद्योग स्थापित करेंगे। -**संदीप मारवाह, मारवाह स्टूडियो सेक्टर-16ए**

सेक्टर-16ए फिल्म सिटी की स्थापना जब की गई थी तब सरकार उतनी गंभीर नहीं थी। अब सरकार गंभीर लग रही है। खाली प्लॉट बेचने से फिल्म सिटी स्थापित नहीं हो पाएगी। -**पीसी सरीन, बीकेपी मीडिया हाउस, सेक्टर-16ए फिल्म सिटी**

देश को मुंबई का विकल्प मिलेगा। साथ ही यूपी के टैलंट को मुंबई में धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। यूपी के हजारों युवाओं को रोजगार मिलने से राज्य को भी राजस्व का फायदा होगा। यूपी का नाम पूरी दुनिया में होगा। -**सुरेंद्र हिनवार, फिल्म निर्माता व अभिनेता**

हैदराबाद जैसी फिल्मसिटी बनाने की जरूरत है। ऐसा होने पर यहां के युवा भी अपना टैलंट दिखाकर देश का नाम रोशन कर सकेंगे। खाना सप्लाई करने वाले, कॉस्टयूम बनाने और सप्लाई करने वाले जैसे लोगों को भी रोजगार मिलेगा।

-**निशिकांत दीक्षित, अभिनेता**

मैं दावा करता हूं कि जिस प्रकार से उत्तर भारत के कलाकारों ने मुंबई को पूरे विश्व में बॉलिवुड के रूप में स्थापित किया, वही उत्तर भारत को भी इस फिल्म सिटी के माध्यम से नई पहचान देंगे।

-**अक्षयबर नाथ श्रीवास्तव, वरिष्ठ रंगकर्मी और नाट्य निर्देशक**